रोल नं. – .....

प्रमाणपत्र नियमित परीक्षा 2020–21

कूट क्र. –यश–485

विषय – ज्योर्तिविज्ञान

प्रश्नपत्र – मुहूर्त ज्योतिष

अधिकतम समय–3 घण्टे **अधिकतम अंक–70**

उत्तीर्णांक–28

आवश्यक निर्देशः–
1. प्रश्न पत्र तीन खण्डों में विभक्त है।
2. प्रत्येक खण्ड का प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है।
3. प्रत्येक खण्ड के सामने प्रश्नों के अंक दर्शाये गए हैं।
4. खण्ड ''ब'' एवं ''स'' में प्रश्नों के आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

खण्ड–अ

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न) **कुल अंक** 10x1=10

प्रश्न–1 दिये गये विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कर लिखें –

i. विवाह कार्य में कौन–सा मास ग्रहण किया जाता है–

(अ) सौर मास (ब) सावन मास

(स) चांद्र मास (द) नक्षत्र मास

ii. श्रवण नक्षत्र का स्वामी हैं–

(अ) सूर्य (ब) चंद्र

(स) मंगल (द) बुध

iii. तुला राशि का स्वामी है–

(अ) सूर्य (ब) बुध

(स) गुरू (द) शुक्र

iv. एकादशी तिथि है–

(अ) नंदा (ब) भद्रा

(स) रिक्ता (द) जया

v. यात्रा में सम्मुख चंद्र होता है–

(अ) शुभ (ब) अशुभ

(स) चिंताकारक (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

vi. मेष का चंद्रमा होने पर भद्रा का वास होता है–

(अ) पाताललोक (ब) मृत्युलोक

(स) स्वर्गलोक (द) मनुष्यलोक

vii. रविवार को द्वादशी होने पर योग बनता है–

(अ) रवियोग (ब) तिथिद्ग्धयोग

(स) नक्षत्रद्ग्धयोग (द) हुताशनयोग

viii. शनिवार का दिशा शूल होता है–

(अ) पश्चिम दिशा में (ब) उत्तर दिशा में

(स) दक्षिण दिशा में (द) पूर्व दिशा में

ix. पंचक नक्षत्र में किस दिशा में गमन नहीं करना चाहिए–

(अ) पूर्व (ब) पश्चिम

(स) उत्तर (द) दक्षिण

x. ध्रुव नक्षत्र में कौनसा कार्य करना श्रेष्ठ है–

(अ) क्रूर काम करना (ब) विभिन्न वस्तुओं का संग्रह करना

(स) राज्याभिषेक करना (द) विष देना

खण्ड–ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न) **कुल अंक 5x3=15**

निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 शब्दों में दीजिए –

प्रश्न–2 पचांग का परिचय संक्षिप्त में दीजिए।

अथवा

तिथि क्षय से आप क्या समझते हैं ?

प्रश्न–3 राशियों के नाम एवं उनके स्वामी लिखो।

अथवा

मेष राशि किन–किन नक्षत्रों से मिलकर बनती है, नाम लिखिए।

प्रश्न–4 स्त्रियों के लिए घात चंद्र में अपवाद को संक्षिप्त में समझाइये।

अथवा

दग्धा तिथियों के नाम लिखिए।

प्रश्न–5 दुष्ट तारा की शांति के उपाय बताइये।

अथवा

योगिनी विचार को संक्षिप्त में समझाइये।

प्रश्न–6 पंचक नक्षत्रों के नाम लिखिए।

अथवा

पंचक नक्षत्र कहां–कहां वर्जित हैं ?

खण्ड–स

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) **कुल अंक 5x9=45**

निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए –

प्रश्न–7 ज्योर्तिविज्ञान का परिचय देते हुए इस शास्त्र के मुख्य प्रवर्तक आचार्यों के नाम लिखिए।

अथवा

तिथि वृद्धि एवं तिथि क्षय को समझाइये।

प्रश्न–8 तिथियों के नंदादि संज्ञाऐं बताते हुए किन्हीं दो संज्ञाओं का वर्णन विस्तार से कीजिए।

अथवा

तिथि एवं वारों के योग से सिद्ध योग एवं अमृत योग कब बनते है, समझाइये।

प्रश्न–9 घात चंद्रादि की उपयोगिता एवं अपवाद को समझाइये।

अथवा

यात्रा में शुभ, अशुभ एवं मध्यम नक्षत्रों का वर्णन करे।

प्रश्न–10 ताराओं के नाम तारा ज्ञान एवं तारा का शुभ–अशुभ प्रभाव समझाइये।

अथवा

त्रिमासिक राहु काल विचार को समझाइयें

प्रश्न–11 ग्रहारंभ/शिलान्यास मुहूर्त को विस्तार से समझाइये।

अथवा

ग्रह प्रवेश में कुंभ चक्र एवं सप्त सकार का महत्व समझाइये।

––00––